



भावाशिप - वन उत्पादकता संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)



किसान मेला सह कृषि प्रदर्शनी-2023

दिनांक

भाकृअनुप - राष्ट्रीय द्वितीयक कृषि संस्थान, नामकुम, रांची

16 एवं 17 फरवरी, 2023



निदेशक एवं समूह समन्वयक (अनुसंधान) भावाशिप - वन उत्पादकता संस्थान, रांची, डा. योगेश्वर मिश्रा के नेतृत्व तथा उप-वन संरक्षक, भा.व.से., श्रीमती अंजना सुचिता तिकी के मार्गदर्शन

मेले में संस्थान की भागीदारी की झलकियां



में संस्थान, रांची के एक दल श्री रवि शंकर प्रसाद, मुख्य तकनीकी अधिकारी, श्री सुरज कुमार, वरिष्ठ तकनीकी सहायक, श्री करम सिंह मुण्डा, तकनीकी सहायक एवं श्री जीतु तिकी, तकनीकी सहायक ने भाकृअनुप - राष्ट्रीय द्वितीयक कृषि संस्थान, नामकुम, रांची (पूर्व भारतीय प्राकृतिक राल एवं गोंद संस्थान) द्वारा दिनांक 16.02.2023 एवं 17.02.2023 को आयोजित दो दिवसीय किसान मेला सह कृषि प्रदर्शनी-2023 में भाग लिया एवं आबंटित स्टाल संख्या 07 में संस्थान की अनुसंधान विस्तार गतिविधियों से संबंधित पोस्टर एवं उत्पाद की प्रदर्शनी लगायी। इस कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में संस्थान की ओर से मुख्य तकनीकी अधिकारी, श्री रवि शंकर प्रसाद ने भाग लिया। इस मेले में संस्थान को आबंटित स्टाल में बांस पौधशाला तकनीक, बांस रोपण तकनीक, बांस परिचय एवं उपयोग, टिशू कल्चर द्वारा बांस तैयार करने की तकनीक, बांस के साथ कृषि वानिकी एवं लाह उत्पादन के सम्बन्ध में पोस्टर के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के बांस एवं अन्य वृक्ष प्रजातियों के पौधों के Live specimen के माध्यम से प्रदर्शित की गई। इसके अलावा कृषकों के बीच पठन सामग्री के रूप में निशुल्क पम्पलेट और लीफलेट का वितरण भी किया गया जिससे विभिन्न प्रकार के औषधीय पौधों और लाह के साथ बांस के सम्बन्ध में जानकारी दी गई है। इस अवसर पर संस्थान के मुख्य तकनीकी अधिकारी श्री रवि शंकर प्रसाद ने किसान गोष्ठी में विशेषज्ञ के रूप में संस्थान द्वारा किये जा रहे शोध एवं अन्य कार्यों के साथ बांस के उत्पादन और उपयोगिता के संबंध में विशेष व्याख्यान दिया और किसानों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिये। इस मेले के मुख्य अतिथि कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री, झारखंड सरकार, माननीय श्री बादल पत्रलेख, खिजरी विधायक श्री राजेश कच्छप, निदेशक भाकृअनुप - राष्ट्रीय द्वितीयक कृषि संस्थान, नामकुम, रांची, श्री अभिजीत कर एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों ने स्टाल का भ्रमण किया। इस दौरान संस्थान के दल ने संस्थान द्वारा किये जा रहे शोध कार्यों एवं अन्य कार्यक्रमों से माननीय मुख्य अतिथि, खिजरी विधायक एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों को अवगत कराया। इस अवसर पर संस्थान के श्री रवि शंकर प्रसाद, श्री सुरज कुमार और श्री करम सिंह मुण्डा उपस्थित रहे। माननीय मंत्री ने संस्थान के स्टाल एवं गतिविधियों की सराहना की।



मेले में आगंतुक किसानों, छात्रों, महिलाओं स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों एवं अन्य संस्थानों से आये हुए सदस्यों को लाह की खेती, बांस उत्पादन तकनीक, अकाष्ट वनोत्पाद आदि एवं संस्थान द्वारा बांस के विभिन्न प्रजातियों (रोपा बांस, तरल बांस, पीला बांस, लाठी बांस, भालु बांस, काला बांस एवं झाड़ु बांस) तथा अन्यान्य प्रजाति के पौधों के साथ साथ कुछ वानिकी प्रजाति के पौधों को प्रदर्शन के लिए रखा गया और उसके विषय में जानकारी प्रदान दी गई।

संस्थान द्वारा द्वितीय दिन भी स्टाल लगाकर अपनी तकनीकी का प्रचार-प्रसार किया गया। इस अवसर पर समापन समारोह के मुख्य अतिथि बिहार कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डा. ए.के.सिंह ने भी संस्थान के स्टाल का भ्रमण कर इसकी सराहना की। इस मेले में संस्थान द्वारा लगाये गये स्टाल का लगभग 250 लोगो ने भ्रमण किया जिसमे अति विशिष्ट एवं विशिष्ट लोगो के अलावा किसान, विद्यार्थी एवं कुछ संस्थानों के वैज्ञानिक भी शामिल रहे तथा 183 लोगो ने आगंतक पंजी में अपनी उपस्थिति दर्ज करायी जिनके बीच निशुल्क पठन सामग्री का वितरण किया गया। आयोजित मेले में भाग लेने हेतु संस्थान को भाकृअनुप - राष्ट्रीय द्वितीयक कृषि संस्थान, नामकुम, रांची द्वारा सहभागिता प्रमाण पत्र तथा श्री रवि शंकर प्रसाद को विशेषज्ञ के रूप में शामिल होने हेतु प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में वन-वर्धन एवं प्रबंधन के श्री रवि शंकर प्रसाद एवं विस्तार प्रभाग के श्री सुरज कुमार, श्री करम सिंह मुण्डा एवं श्री जीतु तिर्की का सराहनीय योगदान रहा।

मेले में संस्थान की भागीदारी की झलकियां

